शिवनाथ नदी क्षेत्र के पैरी नदी कविराज... पृष्ठ 2 | खुमान साव : अर्थात लोक कला... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

।। जय श्री जलाराम ।।

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मो: 98274-61508, 83192-88559

रविवार, 09 जून 2024, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 48, अंक 237, पृष्ठ 04, मूल्य 2 रुपए

मोदी कैबिनेट का फार्मूला तय, टीडीपी-जदयू से इतने नेताओं को मिलेगी जगह

चिराग पासवान का भी मंत्री बनना तय

नई दिल्ली। नरेन्द्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इसके पहले शनिवार की देर रात तक सरकार में भागीदारी को लेकर एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सामंजस्य बना लिया गया है। किस दल को कितनी हिस्सेदारी मिलनी है और पहले चरण में किस-किस सांसद को मंत्रिपरिषद में जगह मिल सकती है इसका निर्णय कर लिया गया है। नरेन्द्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इसके पहले शनिवार की देर रात तक सरकार में भागीदारी को लेकर एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सामंजस्य बना लिया गया है। किस दल को कितनी हिस्सेदारी मिलनी है और पहले चरण में किस-किस सांसद को मंत्रिपरिषद में जगह मिल सकती है, इसका निर्णय कर लिया गया है। नई सरकार के स्वरूप में सामाजिक समीकरण और देश के विकास की आकांक्षा का भरपूर ख्याल रखा गया है। सहयोगी दलों का सम्मान और समन्वय बनाए रखने के रास्ते तलाश लिए गए हैं। एनडीए में भाजपा के बाद टीडीपी, जदयू, शिवसेना और लोजपा (आर) चार बड़े दल हैं। रविवार को टीडीपी से तीन, जदयू से दो, शिवसेना एवं लोजपा (आर) से एक-एक मंत्री की शपथ कराई जाएगी। बिहार में जदयू एवं भाजपा की सीटें बराबर हैं। इसलिए मंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या भी उसी अनुपात में होगी। दोनों दलों से दो-दो कैबिनेट एवं दो राज्य मंत्री बनाए जा सकते हैं। सूत्रों का दावा है कि रविवार को सिर्फ कैबिनेट मंत्रियों को ही शपथ दिलाई जाएगी। जदयू सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह एवं राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर को कैबिनेट में स्थान मिलना तय है। संजय झा एवं वाल्मीकि नगर के सांसद सुनिल कुमार को भी मंत्री बनाया जाएगा, लेकिन इनका नंबर बाद में आ सकता है। बिहार से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) प्रमुख जीतनराम मांझी एवं लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान को भी कैबिनेट में ही जगह मिलनी है। रविवार को चारों नरेन्द्र मोदी के साथ शपथ ले सकते हैं। बिहार भाजपा के दो सदस्य भी रविवार को शपथ ले सकते हैं। आंध्र प्रदेश में भाजपा के सहयोगी तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) एवं जनसेना पार्टी को भी मंत्रिमंडल में जगह दी जा रही है। टीडीपी के 16 और जनसेना के दो सदस्य हैं। सूत्रों का दावा है कि रविवार को टीडीपी के तीन एवं जनसेना के एक सदस्य मंत्रिपद की शपथ लेंगे। रालोद को भी मंत्री पद मिल रहा है। जयंत चौधरी को कैबिनेट में रखा जा रहा है।

सूचना है कि प्रधानमंत्री ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के नाम के साथ-साथ मंत्रालयों की जिम्मेवारी भी लगभग तय कर दी है। इसके लिए सहयोगी दलों से प्रस्ताव मांगे गए थे, किंतु नीतीश कुमार एवं चंद्रबाबू नायडू समेत सभी दलों के शीर्ष नेताओं ने सबकुछ नरेन्द्र मोदी पर ही छोड़ दिया है। इसके पहले भाजपा समेत सभी घटक दलों के नेताओं ने दो दिनों के विमर्श एवं सभी पक्षों पर विचार करने के बाद अंतिम सूची तैयार की है। सूत्र बताते हैं कि कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की कमान भाजपा के पास ही रह सकती है। बिहार में डेढ़ वर्ष बाद विधानसभा चुनाव होना है। इसलिए भाजपा जातीय समीकरण से कोई समझौता करने के पक्ष में नहीं है। यही कारण है कि काराकाट संसदीय सीट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह के चलते भाकपा माले के राजाराम सिंह से चुनाव हारने वाले उपेंद्र कुशवाहा को भी भाजपा जोड़कर रखना चाहती है। इस बार बिहार में कुशवाहा फैक्टर अत्यंत प्रभावी रहा है। इसके चलते भाजपा को चार-पांच सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा उपेंद्र को मंत्रिमंडल में लाकर कुशवाहा वोट बैंक में सकारात्मक संदेश देना चाहती है।

प्रयागराज में प्रवाहित हो रही पुरी शंकराचार्यजी का आध्यात्मिक संदेश

<u>अरविन्द तिवारी की रिपोर्ट</u>

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय श्रीगोवर्द्धनमठ पुरीपीठाधीश्वर एवं हिन्दूओं के सार्वभौम धर्मगुरु तथा हिन्दू राष्ट्र प्रणेता अनन्तश्री विभूषित श्रीमज्जगदुरु शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामी श्रीनिश्चलानन्द सरस्वतीजी महाराज अपने राष्ट्रोत्कर्ष अभियान में प्रयागराज पहुँचे हुये हैं। यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। वे प्रयागराज में श्रीगोवर्द्धनमठ पुरी ओड़िशा से संबद्ध शिवगंगा आश्रम, रेलवे पुल के पास, न्यू झूंसी में 14 जून तक निवासरत रहेगें। निवास स्थल शिवगंगा आश्रम में ही प्रात: कालीन सत्र में पूर्वान्ह साढ़े ग्यारह बजे से भक्तजनों को प्रतिदिन दर्शन , दीक्षा एवं गोष्ठी में धर्म , अध्यात्म तथा राष्ट्र से संबंधित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त होंगे। वहीं सायं कालीन सत्र में साढ़े पांच बजे से दर्शन के साथ ही संगोष्ठी में श्रद्धालुजनों को आध्यात्मिक संदेश श्रवण करने का सौभाग्य सुलभ होगा। गौरतलब है कि अपने राष्ट्र व्यापी जनजागृति अभियान में पूज्य शंकराचार्यजी देश की जनता को यह स्मरण कराते हैं कि विश्व में

सबसे प्राचीन हमारी सनातन संस्कृति है और इसका अस्तित्व तब है जब से वर्तमान में प्रचलित अन्य किसी धर्म का उदय ही नहीं हुआ था। निष्कर्ष यह निकलता है कि सभी मनुष्यों के पूर्वज सनातनी वैदिक आर्य हिन्दू ही थे। पूज्य शंकराचार्यजी अपने संदेशों में उद्धृत करते हैं कि इस राकेट , कम्प्यूटर , मोबाइल और परमाणु बम के युग में भी हमारा सनातन वैदिक सिद्धान्त दार्शनिक , वैज्ञानिक और व्यावहारिक धरातल पर आज भी प्रासंगिक एवं सर्वोत्कृष्ट है। महाराजश्री प्रत्येक हिन्दू को आह्वान करते हैं कि छोटे छोटे प्रकल्पों के द्वारा ही हम भव्य भारत के निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सकते हैं। जैसे प्रत्येक परिवार से समाज और राष्ट्र निर्माण में प्रतिदिन एक घंटा समय और एक रुपया अर्थदान संग्रहित कर उस राशि और समय का सदुपयोग अपने अपने क्षेत्रों को सुबुद्ध और स्वावलम्बी बनाने में कर सकते हैं। मठ मन्दिरों को शिक्षा , रक्षा , सेवा , शील सुचिता के केन्द्र के रूप में संस्थापित कर क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का कार्य होना चाहिये। सनातन संस्कृति एवं वर्णाश्रम व्यवस्था पर आधारित हमारी शिक्षा , रक्षा , भोजन , वस्त्र , व्यापार , कृषि , गोरक्ष्य , आवास , चिकित्सा , विवाह , यातायात , उत्सव त्यौहार आदि कि पद्धति आज भी विश्व के समस्याओं के समाधान में सक्षम है। आवश्यकता इस बात की है कि शास्त्र सम्मत सिद्धान्तों का परिपालन हो तथा तथा क्रियान्वयन की विधा भी वैदिक होनी चाहिये। पूज्य शंकराचार्यजी प्रयागराज प्रवास के पश्चात 14 जून की रात्रि नौ बजे रेल मार्ग द्वारा राष्ट्रोत्कर्ष अभियान के अगले चरण में आगरा प्रस्थान करेंगे। इसकी जानकारी श्रीसुदर्शन संस्थानम् , पुरी शंकराचार्य आश्रम / मीडिया प्रभारी अरविन्द तिवारी ने दी।

अवैध शराब बेचने वाले के खिलाफ धर पकड़ अभियान चलाया जा रहा

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। लगातार पुलिस को क्षेत्र में अवैध शराब बेचने की शिकायत मिली थी जिस पर पुलिस ने एक अभियान के तहत अवैध शराब बेचने वाले के खिलाफ धर पकड़ अभियान चलाया जा रहा है इस कार्यवाही में डोंगरगांव करियाटोला नहर नाली देशी शराब भट्टी रोड के पास ही घेराबंदी कर अवैध रूप से , थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार शाह के निर्देशन में निगरानी रखते 7 जून को एस आई देवकुमार रावटे गौरव शेंडे,दीपक जाटवार, सायबर सेल के हरीश ठाकुर जीवन लाल ठाकुर की टीम ने घेराबंदी कर कार्यवाही किया गया , है कार्यवाही के दौरान आरोपी द्वारा अपराध धारा- 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी . नासिर उर्फ़ नवसाद खान पिता यासीन खान वार्ड नं0 01 बडभूम और. गोपेश्वर साहू पिता छन्नू साहू निवासी वार्ड नं 09 ग्राम बडभूम खुज्जी के पास एक नीला रंग के कपड़ा के थैला जिसमे प्रीमियम राजश्री मसाला लिखा हुआ है उनके अंदर 106 नग पौवा देशी प्लेन एवं एक नग बजाज पल्सर एन.एस मोटरसायकल नं0 छ्त्र06 त्रङ्ग 5668 को जप्त की कार्यवाही की गई हैं आरोपी को गिर0 की कार्यवाही कर अप0 पंजी0 कर विवेचना मे लिया गया है आरोपी को 8.जून को न्यायालय ज्युडिशियल रिंमांड पर पेश किया गया है थाना प्रभारी ने कहा क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वाले के खिलाफ पुलिस की कार्यवाही आगे जारी रहेगी।

डोंगरगढ़ में ईडी का छापा

<u>राईस मिलर मनोज अग्रवाल के घर पर छापामार कार्यवाही</u>

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। डोंगरगढ़ के राइस मिलर व माँ बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के घर पर 8 जून सुबह ईडी की टीम ने छापामार कार्यवाही करते पड़ताल की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी में बताया गया कि तड़के ही छ्त्र व रूक्क की 05 गाड़ियों में टीम आई व कार्यवाही में भीड़ गई। बताया जाता है कि श्री अग्रवाल के रायपुर स्थित ठिकाने पर ईडी ने रेड कार्यवाही की है। सुबह 05 बजे से शाम 07 बजे तक ईडी की पूछताछ चलती रही व समाचार लिखे जाने तक कितना कैश व क्या कागजात जप्त किये गए खुलासा नहीं हो पाया है।

पुलिस द्वारा गुमशुदा युवती को खोज कर मिलाया गया परिजनों से

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग, अति0पुलिस अधीक्षक राहुल देव शुक्ला एवं एसडीआपी महोदय डोंगरगढ़ आशिष कुंजाम के दिशा-निर्देश पर थाना डोंगरगढ़ में लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान प्रकरण के निकाल हेतु थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा द्वारा अभियान चलाकर लगातार गुम इंसानों का पता तलाश कर दस्तयाब किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत गुम इंसान क्रमांक 54/2024 के गुमशुदा उम्र- 23 वर्ष जो दिनांक 15.05.2024 को घर से बिना किसी को बताये कहीं चली गई थी जिसको आज दिनांक- 07.06.2024 को सकुशल बरामद कर दस्तयाब किया गया है। पुछताछ करने पर गुमशुदा द्वारा अपने साथ किसी प्रकार का अपराध घटित होना नहीं बताने पर गुमशुदा को उनके परिजनों को सुपुर्दनामे में दिया गया। जिससे परिजन खुशी जाहिर करते हुये डोंगरगढ़ पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किये है।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फेडरिकसन पर कोपेनहेगन में हमला, पीएम मोदी ने की निंदा

नईदिल्ली। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन पर ऊपर शुक्रवार को कोपेनहेगन में एक शख्स ने अचानक से हमला कर दिया . जिस हमले की प्रधानमंत्री ने निंदा की है. प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन पर हमले की खबर से बेहद चिंतित हूं. हम हमले की निंदा करते हैं. अपने दोस्त के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं. शुक्रवार को कोपेनहेगन के मध्य में पीएम पर एक व्यक्ति उस समय हमला किया जब वह चुनाव प्रचार के लिए निकली थी. हालांकि हमले के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

अवैध इट भट्ठो पर प्रशासन मेहरबान खुलेआम जल जंगल जमीन का हो रहा हनन

गंडई पंडरिया (नांदगांव टाइम्स)। क्षेत्र में खुलेआम सैकड़ो इठ भठ्ठो में लाल इठ बनाया जा रहा जहां इन भठ्ठो मालिको के ऊपर प्रशासन भी महेरबान है अब तक क्षेत्र में खुलेआम बनाये जा रहे इठ भठ्ठो पर कोई ठोस कार्यवाही सामने नही आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंडई सहित भूभर्सी, गोकना बागुर,लिमो,बरबसपुर,कृतबास, पंडरिया क्षेत्र में खुल कर लाखो की तादात में लाल इठ बनाया जा रहा जिसके लिये नदी से रेत पानी सहित जंगलों के लकड़ियों का खूब इस्तेमाल हो रहा साफ तौर पर कहे तो जहां एक ओर शासन प्रशासन जल जंगल जमीन को बचाने की बात करते है इसके संरक्षण के

लिये लाखों रुपये खर्च करते है वही दूसरी ओर प्रशासन के सामने ऐसे इठ के कारोबारी खुलेआम उपयोग करते नजर आ रहे आखिर सब कुछ देखते हुये भी प्रशासनिक कार्यवाही क्यो नही कर रहा है इस व्यपार पर अंकुश नही लगाया जा रहा। जब कि अब शासन भी शासकीय कार्यो में लाल इठ का उपयोग नही कर प्लाइएस इठ का उपयोग करने का सख्त हिदायत दिये है ताकि लाल इठ का उपयोग बन्द हो और इससे जल जंगल जमीन का भी बचाव हो सके।

मंहगाई के आड़ में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा लाल इठ

सूत्रों से मिले जानकारी के अनुसार इस वर्ष लाल इठ का रेट आसमान छुते नजर आ रहा वही इठ भठ्ठा मालिको का दबी जुबान कहना है कि आज मंहगाई कहा से कहा चला गया है लकड़ी मिट्टी पानी रेती सब के दाम बहुत बढ़ गया है साथ ही मुश्किल से मजदूर मिलते है जिसके कारण आज इटो के दामो में भारी बढ़ोतरी हुवा है। रेणुका रात्रे एसडीएम गंडई छुईखदान का कहना है कि पिछले दिनों क्षेत्र में चल रहे अवैध इठ भठ्ठो पर कार्यवाही करने का सख्त निर्देश राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारीयों को निर्देशित किया गया अभी तक कोई रिपोर्ट उनके द्वारा नही दिया गया जल्द सभी इठ भठ्ठो पर कार्यवाही किया जाएगा।

डॉ. रमन सिंह कल शहर में

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कल दिनांक 09 जून को एक दिवसीय प्रवास पर शहर रहे है, इस दौरान वे अनेक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार डॉ. रमन सिंह कल दोपहर 01 बजे रायपुर स्थित खनिज नगर मौलश्री विहार से प्रस्थान कर दोपहर 02.30 बजे राजनांदगांव पहुंचकर विधानसभा अध्यक्ष निवास जी.ई.रोड आयेंगे। यहॉ से वे शाम 05.30 बजे ग्राम ठेलकाडीह जिला खैरागढ़ जायेंगे जहॉं शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 484 वीं जयंती के प्रदेश स्तरीय समारोह में भाग लेंगे फिर वे शाम 07 बजे विधानसभा अध्यक्ष निवास जी.ई.रोड पहुचेंगे वहां से रात्रि 07.30 बजे रायपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

मधुसूदन, व रमेश पटेल दिल्ली रवाना

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय संसद के इतिहास में रिकॉर्ड तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता नरेंद्र मोदी कल शाम सवा सात बजे देश की 18वीं लोकसभा में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे है। इस शपथ समारोह के लिये जिला भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी आमंत्रण मिला है। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिये लोकसभा चुनाव के संयोजक व पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल व खैरागढ़ में पार्टी के अध्यक्ष घम्मन साहू आमंत्रण प्राप्त होने के पश्चात् आज शाम दिल्ली रवाना हो गये। ये सभी नेता कल दिनांक 09 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहेंगे।

माँ पाताल भैरवी मंदिर की अनूठी पहल

शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्वच्छता दीदियों को बांटी साड़ियां...

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। वैसे जो जंग के मैदान में सिपाही से लेकर सेना नायक तक कि भूमिका अहम रहती है, पर जीत का श्रय और ताज सेना नायक को ही मिलता है। इसी प्रकार मेडिकल कॉलेज सह हॉस्पिटल से सफाई और सुरक्षा का जिम्मा मेटास कम्पनी को मिला हैं,लेकिन पूरे हॉस्पिटल परिसर को स्वच्छ और सुंदर रखने में स्वच्छता दीदियों का बहुत बड़ा योगदान रहता है, फिर चाहे हॉस्पिटल को स्वच्छ रखने का हो या फिर मरीजों के सेवा का हो। माँ पाताल भैरवी मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश मारू जी और पत्रकार कमलेश सिमनकर मेडिकल कॉलेज में अज्ञात मरीजों की सेवा में लगातार अपनी सेवाएं देते रहते है, लेकिन हॉस्पिटल की स्वच्छता को देखते हुए राजेश मारू जी और कमलेश सिमनकर ने यह महसूस किया कि जो इस कार्य मे लगातार लगे हुए रहते है, जो हॉस्पिटल के मरीजों की सेवा अपने परिवार वालों की तरह करते है, क्यों ना इन्हें सम्मानित किया जाए। आज मेडिकल कॉलेज सह हॉस्पिटल में मेटास कम्पनी के कार्यरत स्वच्छता दीदियों को साड़ियां बांटी, उद्देश्य केवल इतना था कि सेना नायक की बजाय ग्राउंड लेबल पर जो काम करते है, इस सम्मान के असली हकदार यही है, जो निरन्तर बिना हीन भावना के हॉस्पिटल की स्वच्छता और मरीजों की सेवा में बिना अपने स्वास्थ्य की चिंता किये लागातर जुझते रहते है।

राजनांदगाव जिले के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरपुर में पुष्य नक्षत्र के अवसर पर गर्भ संस्कार सेशन का आयोजन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं संचालनालय आयुष छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजनांदगांव के सहयोग से जिला आयुर्वेद अधिकारी राजनांदगाँव डॉ. शिल्पा पाण्डेय के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय आयुष मिशन द्वारा जिले की चिन्हाकित दो संस्थाओं शासकीय आयुर्वेद औषधालय पदुमतरा एवं शासकीय आयुर्वेद औषधालय सुकुलदैहान का चयन कर राष्ट्रीय कार्यक्रम सुप्रजा योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेश्वरी ठाकुर एवं डॉ हर्षा दुबे ने बताया कि उत्तम संतान प्राप्ति हेतु गर्भ संस्कार किया जाता है इससे गर्भस्थ शिशु का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। डॉ शिल्पा पाण्डेय जिला आयुर्वेद अधिकारी राजनांदगाँव ने गर्भ संस्कार पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गर्भ संस्कार का उल्लेख प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथो में मिलता है उत्तम आहार सकारात्मक विचार नियमित व्यायाम गर्भ संस्कार के मुख्य घटक है समाज में उत्तम गुणों से युक्त स्वस्थ संतान के लक्ष्य प्राप्ति हेतु दिनाँक 10/06/2024 को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरपुर जिला राजनांदगाव में गर्भ संस्कार के सेशन का आयोजन किया जावेगा जिसमें गर्भावस्था के दौरान प्रत्येक मास में किन-किन योग प्राणायाम आहार विहार का उपयोग कब और कैसे किया जाना है इस विषय पर जानकारी दी जावेगी तथा कुशल चिकित्सकों की देख रेख में अभ्यास कराया जावेगा जिनका गर्भिणी द्वारा अपने घर पर नित्य प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जावेगा इसके अतिरिक्त उन्हें गर्भावस्था में उपयोगी आयुर्वेद औषधियां का बाह्य एवं आभ्यांतर उपयोग जैसे औषधि जलपान स्नान औषधि धारण संबंधी जानकारी भी दी जावेगी तथा इन औषधियो का वितरण भी गर्भवती स्त्रियों में किया जाएगा इसके साथ ही गर्भिणी तथा गर्भ की मानसिक एवं भावनात्मक स्थिति में सकारात्मक प्रभाव हेतु विविध वेदों एवं आयुर्वेद संहिताओं में वर्णित श्लोक एवं मंत्रो से युक्त संगीत का श्रवण भी करवाया जाएगा।

nandgaon times june-09-02.qxd 6/8/2024 11:37 PM Page 2

शिवनाथ नदी क्षेत्र के पैरी नदी कविराज टोलागांव घोरदा अर्जुनी रातापायली किरगीब मे रेत माफिया सक्रिय हुए

गैर राजनीति संरक्षण प्राप्त होने से हौसले बुलंद हुए, क्षेत्र में कई जगह सरपंच भी इस खेल में शामिल हैं , क्षेत्र में गांव के खाली जगह पर भारी मात्रा में रेत डंप हुआ है

डोंगरगांव(नांदगांव टाइम्स)। शिवनाथ नदी मे जलस्तर काफी बढने से रेत तस्कर अब पैरी नदी से लेकर क्षेत्र के अलग अलग गावों में सक्रिय हो गए है। अर्जुनी,सुखरी,कविराज टोलागाँव घोरदा रातापायली एंव किरगी (ब) के तस्कर पैरी नदी से रेत सप्लाई कर रहे है। और गांव के खाली जगह पर भारी मात्रा में रेत डंप कर रखा गया है क्षेत्र मे रेत निकालने के लिए कही भी लीज से रेत निकासी की परामिशन नही मिली है। रेत माफिया की भुमिका मे क्षेत्र के कुछ नामी सरपंच भी इस खेल में सक्रिय हो गए हैं वर्तमान में पैरी नदी मे सर्वाधिक अवैध रेत की सप्लाई हो रही है माफिया बरसात लगने के पूर्व डंप करने मे जुटे है। सुबह 4 बजे से रेत का अवैध परिवहन हो रहा है। राजस्व एंव खनिज विभाग की अनदेखी के चलते रेत माफियाओ के हौसले काफी बुलन्द है। इससे खनिज विभाग और ग्राम पंचायत को भारी नुकसान हो रहा है क्षेत्र में कुछ सरपंच अवैध रेत उत्खनन के खेल में शामिल होकर रोज रेत की चोरी कर गांव में डंप कर रहे हैं कुछ गावों में सरपंचो की रेत तस्करी मे संलिप्तता सामने आयी है। इससे साफ जाहिर होता है की इस खेल में गैर राजनीति संरक्षण प्राप्त होने से अवैध रेत उत्खनन करने वाले के हौसले बुलंद हो गए हैं इसलिए रोज सुबह से ही सरपंची को रेत की तस्करी मे परिवहन करते देखा जा सकता है रोजाना ट्रेक्टर एंव माजदा से रेत भरकर गुजरते है । शिवनाथ पैरी नदी सुखा हो जाने से तस्करी की रेत निकाल कर ऊंचे दामो मे बेचकर अपनी जेबे भर रही है। खनिज विभाग की मिली भगत से यह सब खेल खुले आम चल रहा है महिने भर पूर्व मेढा,घोरदा ,पैरी सिंगारपुर अर्जुनी एंव बुद्धभरदा मे सैकड़ो ट्रिप रेत डंप करने की खबर सामने आई थी लेकिन सिर्फ बुद्धभरदा मे ही राजस्व विभाग की प्रशासनिक टीम ने डंप रेत की जब्ती कर खाना पूर्ति की थी वर्तमान में पूरे क्षेत्र में नदी मे अवैध रेत परिवहन से शासन को लाखो रूपये की रायल्टी का नुकसान हो रहा है। अगर खनिज एंव राजस्व विभाग के अधिकारी क्षेत्र में रात्रि से सुबह तक नदी में निगरानी करते तो क्षेत्र में सैकड़ों वाहन बिना परमिशन बिना रायटी के वाहनो को परिवहन करते पकडा जा सकता है। जिससे खनिज विभाग और राजस्व विभाग तथा शासन को फायदा होगा

अर्जुनी और गिरगांव सहित क्षेत्र में अवैध लाल ईट भट्टे पर कार्यवाही होगी- एस डी एम

विकासखंड के ग्राम अर्जुनी पुल के पास तथा गिरगांव में खाली मैदान में इनके अलावा क्षेत्र में लाल ईट अवैध रूप से बनाया जा रहा है जहा पर खनिज विभाग और शासन से बिना अनुमति के लाल ईट भट्टे जो शासन ने पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए प्रतिबंध लगाया गया है इनके बावजूद बिना डर भय के लाखों की संख्या में अलग अलग जगह बनाया गया है जिनमे जंगल के हरे भरे पेड़ो की कटाई कर इस कार्य में लगाया जा रहा है इनके अलावा मुर्गी खाद का भी उपयोग किया जा रहा है जिनका बदबू पूरा गांव में फैल रहा है एक ओर शासन द्वारा प्रदूषण से बचने के लिए फ्लाई एक्स सीमेंट का ईट लगाने की सलाह दी जा रही है वर्तमान में अवैध रेत उत्खनन और रेत डंप तथा अवैध रूप से क्षेत्र में लाल ईट भट्टे में बिना अनुमति के कार्य एवम अवैध परिवहन की शिकायत मिली है जहा भी

बिना रॉयल्टी पर्ची के अवैध रेत उत्खनन और बिना अनुमति के अवैधरूप से लाल ईट भट्टे मे कार्य किया जा रहा है जिसमे जांच कर विधिवत कार्यवाही की जाएगी

मनोज कुमार मरकाम एसडीएम

जय भवानी व्यायाम शाला में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन

वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जय भवानी व्यायाम शाला में ग्रीष्मकॉलीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह व्यायाम शाला में किया गया इस गरिमामय समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री अजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष छ.ग. भारोत्तोलन संघ व अध्यक्षता श्री अमित आजमानी अध्यक्ष जिला भारोत्तोलन संघ व जय भवानी व्यायाम शाला विशिष्ट अतिथि के रूप में व्यायाम शाला के सचिव शेख वासिम, विवेक रंजन सोनी व बसंत मैगी के अतिथि में सम्पन्न हुआ। इस 30 दिवसीय ग्रीष्मकॉलीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर के संबंध में जय भवानी व्यायाम शाला के संचालक व अध्यक्ष अमित आजमानी जी ने बताया कि, स्थानीय जय भवानी व्यायाम शाला में भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) के संबंध में बताया कि, क्षेत्रीय बच्चों को खिलाड़ी बनाने के उदेद्श्य व्यायाम शाला में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस आयोजित ग्रीष्मकॉलीन भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) शिविर का समापन 7 जून को व्यायाम शाला में सम्पन्न हुआ। आजमानी जी ने बताया कि, इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्थानीय खेल युवक कल्याण विभाग व जय भवानी व्यायाम शाला के सहयोग से आयोजित किया गया। आयोजित इस ग्रीष्मकॉलीन शिविर में राजनांदगांव के बालक एवं बालिका बच्चे भारोत्तोलन के खिलाड़ी बनने के लिए बढ-चढक़र हिस्सा लिये और भारोत्तोलन के नये गुण सीखे राजनांदगांव के स्थानीय 30-40 बालक- बालिकाए बच्चों को इस शिविर में प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन लगातार 2003 से जारी है। जिसमें इस शिविर से भारोत्तोलन के खिलाड़ी जिला राज्य व देश का नाम रोशन कर चुके है। यह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेल युवा कल्याण विभाग जय भवानी व्यायाम शाला व जिला- भारोत्तोलन संघ व जय भवानी व्यायाम शाला के वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षक अशोक श्रीवास व राष्ट्रीय खिलाड़ी मौलेश यादव, कौसेन अख्तर के मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण दिया गया। इस समापन समारोह में बच्चों ने 30 दिनों में जो गुण सीखे उसे प्रदर्शन करके अतिथियों का मन मोह लिया। प्रदर्शन करने वाले बच्चों को खेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र व व्यायाम शाला द्वारा टी-शर्ट देकर प्रोत्साहन किया गया। प्रदर्शन करने वाले बच्चों के नाम निम्न लिखित है। खिलावन, टीकम, डीपेश, यश, वंदना, दृष्टि, कि जल, प्रेम, वंश, चिराग, दुष्यंत, राज, प्रिया, कुलदीप,पियुष,ओम,शुभम, तेजेश, प्रेम यादव, समृद्धि शुक्ला, विरेन्द्र, रौनक, प्रितम, लक्की, कौशेन, इस गरिमामय प्रशिक्षण शिविर को समापन समारोह को सफल बनाने में जय भवानी व्यायाम शाला के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य नीरज शुक्ला, अशोक श्रीवास, दीपक ठाकुर, मनोज यादव, रवि गुप्ता, जग्गू ठाकुर, रामा यादव, नाहिद अख्तर, भरत साहू, भावेश, रूपेश यादव, आदि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा, इस कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त जय भवानी व्यायाम शाला के सचिव शेख वसीम ने की। यह जानकारी जय भवानी व्यायाम शाला के सहसचिव अशोक श्रीवास व नीरज शुक्ला ने दी।

निषाद समाज ने दरुपद मुन्ना को मछुवा कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष बनाने की मांग मुख्यमंत्री साय से की

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। निषाद समाज राजनांदगांव संगठन ने समाज के जिलाध्यक्ष दुपत मुन्ना निषाद को मछुवा कल्याण बोर्ड में अध्यक्ष पद पर नियुक्ति की मांग पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है । दुपत मुन्ना निषाद जिला राजनांदगांव में विगत 27 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर पार्टी के नीतियों और विचारधाराओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते आ रहे है । वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ निषाद समाज जिला राजनांदगांव के अध्यक्ष पद पर कार्यरत् है इससे पूर्व वे विगत 05 वर्षों तक राजनांदगाँव जिले में भाजपा मांझी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रहे एवं वर्तमान में भाजपा मछुवारा प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारिणी 05 वर्षों से जिला राजनांदगांव में भाजपा मछुआ प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रहे। वे शिवनाथ तट समिति के कार्यकारिणी सदस्य भी है। दरुपद मुन्ना निषाद वर्तमान में राजनांदगांव-खैरागढ़ निषाद समाज जिलाध्यक्ष है। वे अविभाजित राजनांदगांव जिले में विगत 05 वर्षों तक मांझी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रहे तथा भाजपा प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारीणी एवं 05 वर्षों से मछुवारा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष व शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, हरदी में 05 वर्ष तक शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रहे । वे वर्तमान में सांसद व विधायक प्रतिनिधि है । शिवनाथ तट समिति में जिला कार्यकारिणी सदस्य व छत्तीसगढ़ अन्य पिछड़ा वर्ग महासभा जिला उपाध्यक्ष के पद में सेवा दे रहे है । छत्तीसगढ़ निषाद समाज के प्रदेश सचिव गिरधर निषाद, मछुआ कल्याण समिति जिलाध्यक्ष छगन लाल निषाद, डोंगरगांव नगर पंचायत अध्यक्ष हीराभाई निषाद, पूर्व जिलाध्यक्ष व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश निषाद, महासचिव टीकम निषाद, उपाध्यक्ष ईश्वर निषाद, उपाध्यक्ष लोकेश निषाद व उपाध्यक्ष सुशीला निषाद, आसरा क्षेत्रीय अध्यक्ष पृथ्वी निषाद, संगठन सचिव मौजी राम निषाद, खैरागढ़ क्षेत्रीय अध्यक्ष संतराम निषाद, चिरचारीकला क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज निषाद सहित निषाद समाज जिला संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमनसिंह व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ शासन से दुपत मुन्ना निषाद जिलाध्यक्ष निषाद समाज राजनांदगांव को उनके राजनीतिक एवं सामाजिक सेवा के आधार पर मछुवा कल्याण बोर्ड में अध्यक्ष पद पर नियुक्ति प्रदान करने की मांग की है ।

जंगल में जमा था जुआरियों का अड्डा पुलिस ने मारा छापा 11 गिरफ्तार

खैरागढ़ (नांदगांव टाइम्स)। जिले में अवैध जुआ, सट्टा, गांजा, शराब के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के आदेश पर छुईखदान

पुलिस द्वारा 7 मई को ग्राम भेंडरा बांध के ऊपर जंगल व झूरानदी में अवैध रूप से 52 पत्ती तास से रूपये पैसों का दाव लगाकर हार जीत का खेल खेलते हुये जुआरियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी खेमलाल उर्फचंदन पिता राजकुमार जंघेल उम्र 27 साल निवासी मुरई, 02 महेन्द्र पिता शंकर वर्मा उम्र 21 साल निवासी मुरई, 03. भागवत पिता रोहित जंघेल उम्र 20 साल निवासी गभरा, 04. कोमल पिता घासीराम धुर्वे उम्र 56 साल निवासी पुरेना, 05. संतोष पिता पुनउ राम वर्मा उम्र 48 साल निवासी तुमड़ीपार थाना परपोडी, 06. मिथलेश नेताम पिता श्याम नेताम उम्र 21 साल निवासी झूरानदी, 07. संजू सेन पिता अषोक सेन उम्र 21 साल निवासी झूरानदी, 08. सुरेन्द्र नेताम पिता गोविंद नेताम उम्र 22 साल निवासी झूरानदी, 09. राजा यादव पिता ललित यादव उम्र 20 साल निवासी झूरानदी 10. गजेन्द्र कुमार चंदेल पिता चिन्ताराम चंदेल उम्र 31 साल निवासी झूरानदी, 11. उलेश्वर कुमार चंदेल पिता कमलेश सिंह चंदेल उम्र 24 साल निवासी झूरानदी के कब्जे से जुमला नगदी रकम 27470 रूपये जप्त कर आरोपीयों के विरूद्ध धारा 3(2) छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही की गई।

शुभांक
3-7-9
277-6 390-2

नीतीश कुमारप्रेमचंद शर्मा(बबला भैया) की काया पंच तत्व में विलीन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्थानीय सदर बाजार की जानी मानी हस्ती एवं शाकद्विपीय मारवाडी ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ एवं सम्माननीय सदस्य प्रेमचंद शर्मा उर्फ बबला भैया का 75 वर्ष की अवस्था में कल रात्रि दु:खद निधन हो गया। कल स्थानीय लखोली स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ और उनकी काया पंचतत्व में विलीन हो गई। उनकी अंतिम यात्रा में अंतिम यात्रा में काफी संख्या में उनके इष्टजनों एवं सामाजिक,राजनैतिक व पत्रकार जगत् के लोगों ने शामिल होकर उन्हें नम आंखों से अंतिम बिदाई दी। वे अपने पीछे पत्नी, नाती नातीयों एक पुत्र अनुरागा उर्फ अन्नु तथा तीन पुत्रियों दो भाईयों सोनू,पंकज(वरिष्ठ पत्रकार)सहित भरापूरा परिवार छोड गए है। हांलाकि वे विगत कुछ वर्षो से दिग्विजय कालेज के पास निवासरत् थे और अभी दो वर्ष पूर्व ही निर्मित अपने स्वयं के बांसपाई पारा स्थित निवास में निवासरत् थे लेकिन उनके परिचय का दायरा काफी विस्तृत था और लोग उन्हे सदर वाले बबला भैया के नाम से ज्यादा जानते थे। उन्होने अपने जीवन का आधे से अधिक समय सदर बाजार में व्यतीत किया और उनके निवास में माजीसा का थान,दरबार लगभग 70 सालों से चला आ रहा है और आज तक भी उनके नए मकान में माजी सा का स्थान है जहां माजीसा(जसोल माता) के अनुयायी श्रद्धापूर्वक दर्शन व आशीष प्राप्त करने आते है। बबला भैया स्थानीय शासकीय प्रेस में लगभग 35 वर्ष की सेवा के उपरांत रिटायरमेंट की जींदगी जी रहे थे। जब बैलेट पेपर से मतदान हुआ करते थे उस समय तत्कालीन मध्यप्रदेश में दो ही शासकीय मुद्रणालय थे और उस समय शासकीय मुद्रणालय की आपातकालीन सेवा व सुरक्षा व्यवस्था काफी उच्च स्तर की होती थी और मतपत्र प्रकाशन जैसा संवेदनशील कार्य यहां होता रहा। ऐसी अतिमहत्वपूर्ण सेवा के लिए शासन ने हमेशा ने उनके कार्यों की हमेशा सराहना की शासकीय मुद्रणालय में समर्पित भाव से 35 वर्ष तक सेवा दीऔर बैलेट पेपर प्रकाशन जैसे राष्ट्रीय महत्व के अति संवेदनशील कार्यों में हमेशा अग्रणि व सराहनीय परफारमेंस देकर विभाग में एक विशेष पहचान बनाई थी।

राइस मिल शिव मन्दिर में शिवमहापुराण...

किरनापुर (नांदगांव टाइम्स)। बढ़ते तापमान से मुक्ति दिलाने, विशेष यजमान की मनोकामना पूर्ण होने, गांव से लेकर शहर तक सुख, समृद्धि, विकास, केन्द्र में विरोधियों की शक्ति क्षीण होने,सारे विश्व में शांति हेतु राइस मिल स्थित शिव मंदिर में श्री शिवमहापुराण कथा का प्रथम दिन शिव पुराण का माहात्म्य सवनी आश्रम, वार्ड नंबर, 19, सोनपुरी के सुप्रसिद्ध पुराण वाचक एवं अनेकों प्रकार की सिद्धियों से सिद्ध महापुरुष, गीत, संगीत , खेलकूद में प्रवीण पंडित नरेन्द्र कुमार शुक्ल द्वारा बड़े सहज ढंग से समझाया गया।कल दूसरे दिन शुक्रवार को प्रात: नौ बजे से बारह बजे तक एवं सायं चार बजे से छ: बजे तक संगीतमयी भजन एवं कथाएं, वार्ड नंबर 123की महिलाओं द्वारा भजनों कार्यक्रम भी होगा एवं प्रसादी वितरण। भोलेनाथ सभी का कल्याण करें।

ठग, धूर्त गोविन्दानन्द के विरुद्ध ज्योतिर्मठ शंकराचार्य जी की ओर से की गई विधिक कार्यवाही

हरिद्वार। केनरा बैंक वाराणसी ने ज्योतिर्मठ के बदरिकाश्रम हिमालय के आधिकारिक ट्रस्ट खाते को फ्रीज कर दिया व बताया गया खाते को फर्जी दस्तावेजों के साथ स्व-घोषित फर्जी बाबा अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा ट्रस्ट खाते को धोखाधड़ी से अपने नाम पर स्थानांतरित कर लिया था। वही खाते को स्वामी गोविंदानंद सरस्वती (हिंदू कानूनी अधिकार संरक्षण मंच) द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर यह कार्यवाही की गई है। मामले में 60 लाख की ठगी की बात कही गई। वाराणसी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक ने खाते को फ्रीज कर दिया और हस्ताक्षरित दस्तावेज मोहर के साथ स्वामी गोविंदानंद सरस्वती को सौंप दिया है। वही, अब इस खबर की असली सच्चाई निकलकर सामने आई हैं। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज ने किया था न्यास का गठन - जगतगुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर - बदरिकाश्रम हिमालय स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज ने एक न्यास पत्र के द्वारा 'ज्योतिर्मठ बदरिकाश्रम हिमालय' नामक एक निजी न्यास का गठन किया, जिसके वे एकमात्र न्यासी और संचालक थे।

वसीयत के अनुसार - शंकराचार्य जी के ब्रह्मलीन होने के पश्चात उनकी वसीयत में दिए गए निर्देशों के अनुसारही 12 सितंबर 2022 को स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज जी का जगतगुरु शंकराचार्य शारदामठ द्वारका के पद पर तथा स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज का जगतगुरु शंकराचार्य ज्योतिर्मठ ङ्क बदरिकाश्रम के पद पर लाखों लोगों की उपस्थिति में विधि विधान से अभिषेक व पट्टाभिषेक कर के उन्हें उनके पीठों का शंकराचार्य नियुक्त कर दिया गया। ब्रह्मलीन शंकराचार्य ने सिर्फ 3 शिष्यों को दंड संन्यास की दी दीक्षा -ब्रम्हलीन शंकराचार्य ने अपने जीवनकाल में अपने ब्रह्मचारी शिष्यों में से मात्र 3 शिष्यों को दंड संन्यास की दीक्षा दी थी, जिनमें से स्वामी सदानंद सरस्वती को उन्होंने अपने शारदा मठ द्वारका के उत्तराधिकारी जगतगुरु शंकराचार्य के रूप में और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जीमहा को ज्योतिर्मठ बदरिकाश्रम के उत्तराधिकारी जगतगुरु शंकराचार्य के रूप में दंड संन्यास की दीक्षा दी थी। इसके साथी उन्होंने स्वामी रामश्वानंदसरस्वती जी को अन्य कारणों से दंड संन्यास की दीक्षा दी, जो कि उक्त वसीयत लिखने के पूर्व ही ब्रह्मलीन हो चुके थे।

समाचार पत्रों से मिली जानकारी - 5 जून 2024 के हिंदी समाचारों और संस्करणों तथा स्वामी गोविंदनंद सरस्वती नामक फेसबुक हैन्डल से जानकारी दी गई कि कनारा बैंक चौक शाखा में ज्ज्योतिर्मठ बदरिकाश्रम हिमालयज्ज् के नाम से ज्योतिर्मठ बदरिकाश्रम हिमालय न्यास का जगतगुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर व बदरिकाश्रम हिमालय का जो खाता था, उसे तो हिन्दू कानूनी अधिकार सरक्षण मंच के स्वामी गोविंदनंद सरस्वती के द्वारा 14 मई 2024 को की गई शिकायत के आधार पर 5 जून को फ्रीज कर दिया गया। ठग स्वामी ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरनन्द के लिए किया अपशब्दों का प्रयोग - प्रतिरूपक ठग स्वामी गोविंदानंद सरस्वती के द्वारा जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरनन्द सरस्वती जी महाराज के लिए अपमानजनक सम्बोधन का प्रयोग करते हुए समाचार पत्रों के संवाददाताओं को बताया कि च्च्झर्मा दस्तावेजों के साथ स्वघोषित फर्जी बाबा अविमुक्तेश्वरनन्द ने ज्योतिर्मठ बदरिकाश्रम हिमालय के आधिकारिक खाते को धोखाधड़ी से अपने नाम पर स्थानांतरित कर उसमें से 60 लाख रुपये निकाल कर गबन कर लिया है। वाराणसी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक ने खाते को फ्रीज कर दिया और हस्ताक्षरित दस्तावेज मोहर के साथ स्वामी गोविंदनंद सरस्वती को सुप सौंप दिया। बदरीविशाल समाचार पत्र ने गोविंदा नन्द सरस्वती के प्रेस को जारी किये गए कनारा बैंक की वाराणसी शाखा व महर्षि देवेन्द्र रोड कोलकाता शाखा के शाखा प्रबंधकों के मध्य हुए आंतरिक पत्रव्यवहार को भी समाचार बॉक्स बनाकर समाचार के मध्य में प्रकाशित किया हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत-सहसपुर दल्ली जनपद पंचायत व जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)
क्र./-/छा.पं./2024 दिनांक 07.06.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सहसपुर दल्ली के आश्रित ग्राम भरकाटोला में हाई मास्क लाइट की स्वीकृत (अनुसंख्या) 1.00 लाख (एक लाख) रूपये का क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त कार्य के संबंध में संबंधित फर्म अपनी निविदा दरें बंद लिफाफे में निविदा आज दिनांक 09/06/2024 से 14/06/2024 के भीतर प्रस्तुत करें।

निविदा से संबंधित विवरण कार्यालय के सूचना पटल पर कार्यालीन समय में देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत सहसपुर दल्ली

nandgaon times june-09-02.qxd 6/8/2024 11:37 PM Page 3

ज्ञान मंथन

1) किस संस्था ने इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 नामक रिपोर्ट जारी की?
2) अब्देल फ्ताह अल-सिसी को किस देश का तीसरी बार राष्ट्रपति चुना गया है?
3) अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?
4) भारत की प्रथम महिला क्रिकेट कमेंटेटर का नाम क्या है?
5) हैथम बिन तारीक किस देश के सुल्तान है, जिन्होंने हाल ही में अपनी पहली यात्रा की है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) यूएनएफपीए (2) मिस (3) 20 दिसंबर (4) चंद्रा नायडू (5) ओमान

छत्तीसगढ़ सीएम साय के नवनिर्वाचित सभी सांसद संसद भवन में

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। संसद भवन के संविधान सदन में आयोजित के सांसदों की बैठक संविधांन की आत्मा ,,संविधान की

किताब,के सम्मुख छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव सायऔर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव,उप मुख्यमंत्री अरुण साव , छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और सभी नव निर्वाचित संसद सदस्य जिसमें ,बृजमोहन अग्रवाल रायपुर सांसद संतोष पांडेय राजनंद गांव विजय बघेल दुर्ग सांसद ,रूपकुमारी चौधरी महासमुंद ,महेश कश्यप बस्तर तोखन साहू बिलासपुर भोजराज नाग कांकेर सांसद ,राधेश्याम राठिया रायगढ़ ,कमलेश जंजीर प्रताप सिंह राज्यसभा सांसद और प्रदीप गांधी एक्स सांसद विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष भी साथ में थे लोकसभो के सेंट्रल हाल शामिल हुए थे।

बिजली की शिकायत मिलने पर तत्काल गंभीरता से निराकरण करें-कलेक्टर

कवर्धा। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने जिले में बेहतर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि आगमी बारिश मौसम और खरीफ फसल को ध्यान में रखते हुए शहरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। आगामी दो महीना चुनौतीपूर्ण है, इस दौरान हर स्थिति से निपटने के लिए पहले ही प्लानिंग तैयार कर ली जाए। इस दौरान उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के संबंध में अनेक शिकायत आती है, उनके समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने विकासखंडवार विद्युत आपूर्ति, मानव संसाधन, अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

खुमान साव : अर्थात लोक कला के जीवन्त प्रशिक्षण संस्थान

पुण्यतिथि विशेष: लोक संगीत के भीष्म पितामह ताउम्र नए कलाकारों को तराशते रहे

सेंकार धानी राजनांदगांव से 35 कलोमीटर दूर ग्राम खुर्सीटिकुल की माटी ने 96 वर्ष पूर्व 5 सितम्बर 1929 को एक ऐसे होनहार हीरे को सौंपा। जिसने छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत की दुनिया को ऐसी ऊंचाई दी कि उनका हर सर्जन लोकमीत की कला का मानदण्ड बन गया। उनका कृतित्व व व्यक्तित्व का समन्वित स्वरूप के आलोक से छत्तीसगढ़ महतारी की महिमा सम्पूर्ण भारत वर्ष के साथ ही विश्व के कई देशों में प्रकाशमान हो रहा ।

खुमान साव इसलिए भी याद किए जाएंगे कि उन्होंने छत्तीसगढ़ के अनगढ़ कलाकारों की प्रतिभा को तराश निखार कर सदैव अपने मंच में स्थान दिया । छत्तीसगढ़ के ज्यादातर लोक कलाकार जैसे-पंचराम देवदास, महेश ठाकुर ,मदन शर्मा , रमेश ठाकुर, संतोष टांक,गोविन्द साव, राकेश साहू,,भैया लाल हेडाऊ, दुष्यंत हरमुख,भूषण नेताम,केदार यादव ,प्रकाश देवांगन,कविता वासनिक, लक्ष्मण मस्तुरिहा, महादेव हिरवानी , लता खापर्डे, माया खापर्डे, मोती राम साहू, भागवत सिन्हा, विष्णु साहू,गोपी पटेल,ओमप्रकाश साहू,उग्रसेन देवदास, कमल पाटिल, सुभाष रामटेके, ढालसिंह साहू,दिलीप साहू आदि कलाकार चंदैनी गोंदा के व्यापक आलोक में दैदीप्यमान हुए। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर लोक कलाकार चंदैनी गोंदा के मंच से सज संवर कर और निखर कर आज भी अन्य मंचों में प्रस्तुति देकर लोगों की वाहवाही और तालियाँ बटोर असीम आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। लोक गीत की बारीकियां ,नज़ाकत,गीत का मूड,आरोह अवरोह ही नही अपितु उसके अनुरूप भाव नृत्य वेशभूषा की समझ कोई इनसे सीखे। बहुत कम लोगों को मालूम है कि साव जी कई गीतों के गीतकार भी रहे हैं ।जिनके लिखे गीत बेहद प्रभावोत्पादक हैं।

किसी भी समाज की ऊर्जा वहां के लोक संस्कृति लोक साहित्य पर निर्भर करता है । लोक संस्कृति जहां व्यक्ति और समाज को माटी से जोड़ती है वहीं लोक साहित्य माटी के प्रति सम्मान का भाव अभिव्यक्त करती है ।छत्तीसगढ़ इस मामले में श्रेष्ठतर है क्योंकि यहां की कृषि , ऋषि व जनजातीय संस्कृति को लोक मानस ने अपने अंतर्मन में संजोए रखा है । ये वही लोग हैं जो सचमुच सबसे बढ़िया छत्तीसगढ़िया हैं जो अपनी भाषा बोली पर गर्व करते हैं , गोद भराई ,जन्म ,विवाह से लेकर उद्दलोक गमन तक की विभिन्न संस्कारों के अनुरूप जीवन जीते हैं । सांस्कृतिक विरासत को आने वाली संतति तक पहुँचाने की कवायद को अपने जीवन उद्देश्य मानते हैं । और इससे बड़ी बात यह है कि यह वर्ग अपने मूल पहचान को बनाए रखने के लिए सजग हैं। इन सबके लिए छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति विशेषकर लोकगीत लोक संगीत का बहुत बड़ा योगदान रहा है। गिने चुने लोग होते हैं जिन्हें बाल्यकाल से ही अपना जीवन लक्ष्य मालूम रहता है वे निरन्तर उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तमाम बाधाओं को पार कर बिना थके ,बिना रुके और बिना झुके सतत चलते ही रहते हैं । जो अपने मूल संस्कृति की पहचान के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। ऐसे व्यक्तित्व किसी भी परिस्थितियों से समझौता नहीं करते । ऐसे ही एक स्व नाम धन्य कलाकार खुमान साव जिन्हें लोग लोक कला का पुरोधा,लोक संगीत का भीष्म पितामह आदि नाम देते हैं ।उनका पालन पोषण मालगुजारी रियासत और उसके संपन्नता के छांह तले हुआ । लेकिन यह भी कहा जाता है कि सरस्वती और लक्ष्मी दोनों साथ-साथ नहीं रहा करती। विशेष कर लोक कलाकारों के संदर्भ में यह बात सटीक बैठता है। कलाकारों की व्यथा देख किसी ने सच ही कहा है कि भगवान को कलाकारों का पेट ही नही बनाना था । जीवन यापन के लिए अर्थोपार्जन जरूरी है गर मा डारे हार फूल ले पेट नई भरय पीड़ा की गहराई बयां करती है। खुमान साव जी की रुचि बाल्य काल से ही संगीत के प्रति रही । पूत के पांव पालने में ही नजर आ जाते हैं। उन्होंने महज 8 - 9 वर्ष की उम्र में हारमोनियम वादन प्रारंभ किया तथा 11 वर्ष की आयु में तो नाचा दल में संगत कर चुके थे। युवावस्था में वे अपनी सायकिल बेचकर मायानगरी मुंबई भी गए जहां एक फौचर फ्लिम के लिए उन्हें अभिनेता के तौर पर चुन लिया गया था। पर उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया बाद में उक्त मूवी में विश्वजीत ने नायक की भूमिका निभाई थी। साव जी अपने आप को संगीतकार ही मानते थे , हृदय में तो सात सुर हिलोरें मार रही थी मन मस्तिष्क में संगीत रचा बसा हुआ था ,हाथों को अंगुलियों को हारमोनियम का रीड भा गई थीं सो उन्हें इसके अलावा चैन कहां? वे वापस लौट आए अपने गांव और लग गए संगीत साधना में । रात को जब कभी निद्रा टूटती हारमोनियम बजाने बैठ जाते चूंकि उनका घर पान चौक में हवेली नुमा बड़ा था तो अन्य लोगों की नींद में खलल न पड़ता। खेत खलिहानों में काम कर रहे लोगों को जब भी फ्लिमी गीत गाते गुनगुनाते देखते सुनते तो मन में दृढ संकल्प समाता कि मुझे ऐसे माधुर्यमयी संगीत सर्जना करनी है कि जन-जन के कंठों में माटी के गीत गान हो। वे लोक गीतों को फ़िल्म संगीत के समकक्ष ही नही उससे भी उच्च स्तर तक ले जाना चाहते थे। अत: छत्तीसगढ़ की माटी को 'महमहाने' के लिए पूरी शिद्दत से लग गए।

रामचंद्र देशमुख निर्देशित चंदैनी गोंदा में वे बतौर संगीत निर्देशक के रूप में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। तदनन्तर जब उक्त लोक मंच का बागडोर उनके हाथों आया तो आकाश में चंदैनी छिटकती गई चंदैनी गोंदा बगरने लगा। तोर धरती तोर माटी की महिमा का गान लोक कंठ का निनाद बन गया हम तोरे संगवारी कबीरा हो संगी के मया जुलुम होने रे,कइसे दिखत है आज उदास रे पतरेंगी मोर मैना, कबीरा तोर दुनिया बोहाने धारे धार जैसे कईयों कर्ण प्रिय संगीत मन रंजन से उपर उठ मन अंजन करने लगे थे। आकाशवाणी व कैसेट्स के माध्यम से लोक गीत व लोक भजन गांव गली चौपालों शहर नगर सर्वत्र सुनाई पड़ता। खेत खार में कर्मवीरों का संगी संगवारी बन गया था । वर्तमान काल मे बिताया गया हर एक पल नया इतिहास बनाती है। हीरा को राख के ढेर में भी रख दिया जाए चमक फीकी नही पड़ती। जीवन मे कितना भी झंझावत हो प्रतिभा अवसर का मोहताज नही होती अपितु अवसर देने का माध्यम बन जाया करती हैं। उन्होंने अपने अंतिम समय तक दबे छुपे प्रतिभाओं को नया

छितिज दिया। ऐसे प्रतिभाएं आज भी उन्हें सदैव नमन करते हैं। कोई भी कलाकार छोटा या बड़ा नही होता अपितु कृति बड़ी होती है । बगरे हुए लोककीर्ती को संग्रह कर उन्हें तराशने का श्रेय भी उन्हें जाता है। जनमानस में छुपे हुए अनगढ़ अपरिमार्जित लोक भजन ,लोक गीतों को माधुर्यमयी रूप देकर जन-जन का निनाद बनाने के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहे ।साथ ही कलाकारों को तराश कर उन्हें स्थापित करने में भी वे सदैव लगे रहे ।

आज जबकि कोई भी मंच हो सर्वप्रथम कलाकारों के परिचय के बाद ही ज्यादातर प्रस्तुतियाँ होती है। इसके विपरीत उन्होंने इस परिपाटी को अपने मंच में कभी नही अपनाया ।आपका हुनर ही आपका मूक परिचय है जो कभी न कभी मुखर हो ही जायेगा। वे समय के इतने पाबन्द थे की कोई भी कलाकार मंचीय प्रस्तुति में पल भर भी देर कर दे ? चाहे कितना भी बड़ा कलाकार क्यों न हो उसकी खैर नही , वे भरे मंच में ही प्रस्तुतिकरण के बीच में ही कनखियों से देखते कि कोई भी आर्टिस्ट सकपकाए बिन नही रह पाता था ? कभी ऐसी स्थिति निर्मित हो गई तो झिड़क भी देते । मुझे स्मरण है जब सोमनी में आज से तकरीबन 25 बरस पूर्व 18 दिसंबर को गुरुघासीदास जयन्ती के अवसर पर सर्द कंपकपाती रात में झहसन में भाग ले रहे ख्यातिनाम हस्ती को स्वेटर निकाल कर मंच पर आते पल भर की देर न हुई कि तमाशा कर रहे हो कह झिड़क दिया था। दर्शक दीर्घा भी उनके सख्त मिजाज अनुशासन प्रियता से हतप्रभ रह गया था। एक तरह से यह झिड़की दर्शक दीर्घा के लिए भी प्रतीत हुआ कि यदि आपको लोक संस्कृति का दिग्दर्शन करना हो तो पूरी तल्लीनता और बिना किसी शोर शराबे के अप्रतिम प्रयासों को निहारना होगा। जिस समय साव जी संगीत साधना में रत थे उस समयकाल में पेशे से शिक्षक रहे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति उतनी अच्छी नहीं कहीं जा सकती थी कि वे पूरे परिवार का भरण पोषण कर पाते जबकि उनके परिवार का एक हिस्सा लोक कलाकार लोग भी रहे हैं ।आए दिन रिहर्सल ,लोक मंच लोक संगीत लोक साहित्य से जुड़े लोगों का नित आवागमन आवभगत चाय पानी भोजन व यथासंभव आने जाने का बस किरायां देना जरा मुश्किल ही था पर साव जी भरसक प्रयास करते कि किसी को कष्ट न हो। इस कारण परिवार को भी कई कई बार अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए भी कष्ट सहना पड़ा। म्युनिसिपल स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम होता तो लोक संस्कृति लोक मंचीय आवश्यकता अनुरूप आभूषण और वस्त्र आदि के लिए किराया से व्यवस्था करना पड़ता यद्यपि इसके लिए शाला फंड से ही रूपए की व्यवस्था की जाती पर खुमान साव कुछ दूर की सोच कर उसमें स्वयं की राशि मिलाकर उन सामानों को पूरा दाम देकर खरीद लेते इससे आर्थिक भार आन पड़ता पर कुछ लोग परफेक्टनिश होते हैं । अपने कलाकारों को कोई तकलीफना हो और एक साथ सम्यक रूप से सभी नृत्य कलाकार पहन सके और लोगों में लोक संस्कृति की झांकी दिखाई जा सके आम लोगों में लोकगीत के प्रति रुझान पैदा हो।वे ऐसे खर्च से पीछे नही हटे। इस कारण परिवार को भी कई कई बार आर्थिक परेशानियां तंगहारी का सामना करना पड़ता था। हास परिहास के दरम्यान वे एक वाक्या का जिक्र करते कि अपने गृह ग्राम खुर्सीटिकुल में एक रेडियो खरीद करके लाए थे और संगीत ईश्वर का वरदान है संगीत को एक व्यक्ति नहीं पचा सकता,बिन बाटे चैन नही मिल पाता, जैसे देव की कृपा को पचाया नहीं जा सकता वैसे ही संगीत भी एक ऐसी विधा है जिसको अकेले हजम करना संभव नहीं तो पास पड़ोस के लोगों को रेडियो सुनाया करते थे एक दिन उनके बड़े भाई ने कहा कि गांव में मुनादी (हांका) डलवा दो और लोगों को पान चौक बुला लो रेडियो सुनने के लिए । चौक में रेडियो सुनने के लिए रेडियो सेट लाया गया लोग भी एकत्रित हो गए लेकिन उसे दिन रेडियो चालू ही नहीं हुआ उस रेडियो को लेकर के शहर में सुधरवाने के लिए बैल गाड़ी में लाया गया । रेडियो दुकान वाले को दिखलाया तो पता चला कि उसकी बैटरी थोड़ी तिरछी हो गई थी । और तब भी संयमित मुस्कराहट से बताते कि मात्र इस कारण रेडियो चालू नहीं हो पाया । इसके उपरांत गांव वालों को रेडियो सुनाया गया। ऐसी प्रवृत्ति के बिरले ही लोग होते हैं आज तो लोग अपने जीवन में किसी का दखल पसंद नहीं । सर्वत्र एकाकी जीवन दीख पड़ता है। पर जिनके हृदय में ही सात सुरों की धड़कन हो चाल में ताल हो वो बांटने में विश्वास करता है। खुमान साव ऐसे व्यक्ति थे जो लोक संगीत को ऊंचाई देने के लिए हमेशा आगे रहे स्वर लहरियाँ उस समय और ज्यादा प्रभावशाली हो जाता है जब संगीत के साथ साहित्य भी जुड़ जाए । इस मायने मे खुमान साव बहुत ऊंचे सिद्ध होते हैं क्योंकि अंचल के बड़े-बड़े साहित्यकार गीतकार लोगों के गीत उनके चंदैनी गोंदा में समाहित होते गए और उन गीतों ने मनोरंजन ही नहीं किया अपितु मनोअंजन किया। पवन दीवान, हरि ठाकुर,मुकुंद कौशल, लक्ष्मण मस्तुरिहा ,रवि शंकर शुक्ला, बद्रीविशाल परमानंद , रामेश्वर वैष्णव ,पूरनचंद श्रीवास्तव , डॉ विनय पाठक , द्वारिका प्रसाद तिवारी विप्र , मदन शर्मा , हर्ष कुमार बिंदु , नारायण लाल परमार , भगवती लाल सेन , हेमनाथ यदु , चतुर्भुज देवांगन , राम कैलाश तिवारी , राजेंद्र ठाकुर ,, धरम लाल कश्यप , कोदूराम दलित , प्यारेलाल गुप्त , केदार दुबे जैसे सिद्धहस्त गीतकारों के गीतों ने जहां जन-जन के हृदय में पैठ बनाई तो वहीं खुमान संगीत की कल- कल छल-छल प्रवाहमान संगीत सरिता ने खेत के मेड़ों से लेकर मेहनतकश श्रमवीरों के मन मे उत्साह का संचार किया व्यग्र मन को शांति सुकून दी तो वहीं युवा मन को फ़िल्मी गीतों की फूहड़ता व लोक गीत के स्वाभाविक सौंदर्य के बीच तुलनात्मक अंतर को समझ कर माटी के जुड़ाव की ओर उन्मुख किया। चल शहर जातेन रे भाई गांव ल छोड़ के शहर जातेन की चकाचौंध प्रवृत्ति के विपरीत मोर गंवई गंगा ये की गान मात्र मनोरंजन नही था अपितु यह प्रकृति की ओर लौट चलने का पुनीत आग्रह था। होगे रे बिहान जागो जागो रे चलो चलो खेत जाबो रे , सावन मा लोर लोर भादो मा घटा घोर , चल चल ग किसान बोये ले चल धान असाढ़ आगे ना , मोर खेती खार रुनझुन मन भंवरा नाचे झूम झूम श्रम का संदेश देती। छत्तीसगढ़ी अस्मिता किसानों की दुर्दशा को मंच छत्तीसगढ़िया अंव रे का स्वर आज भी उद्वेलित करता है जिसका भाव आज भी प्रासंगिक है।चंदैनी गोंदा के नायक-नायिका शहर के चकाचौंध विलासिता पूर्ण जीवन जीने के आदी लोग नही है वे खेतों खलिहानों,अमराइयों, देश की रक्षा के लिए घर परिवार छोड़ गए वर्ग से आते हैं जिन्हें मालूम है मंगनी मा मया नई मिले । उनके मन मे घानी मुंदी घोर दे पानी दमोर दे हमर भारत देस ला दही दूध मा बोर दे की सर्व कल्याण की भावना समाई है । कांटा खूंटी के बोवईया बने बने मा रेगईया,जुलुम होगे राम मोहनी नैना के मारे, लहर मारे लहर बूँदिया, कइसे के मारे नैना बान, धनी बिन जग लागे सुन्ना रे नई भाये मोला, खनर खनर पैरी बाजे छनर छनर चूरी नाचत कुलकत मटकत रेंगय बेलबेलही दूरी, धन धन रे मोर किसान , आधा रात पहागे मोला घर मा दिही गारी ओ रामा अब मोला जान दे संगवारी, तोर कारन बइहा बनेंव तोर कारन छोड़े के पतरेंगी मोला जाबे कहां बइहा बनेंव तोर कारन, मन डोलय रे माघ फ़ागुनवा ,जैसे असंख्य गीत कालजयी श्रवणीय संगीत से आज भी छत्तीसगढ़ का आकाश गुंजायमान हो रहा है। गुणी जन व कला समीक्षक लोग भी गाहे बगाहे यही कहते कि अगर जिन्हें छत्तीसगढ़ को जानना समझना हो इसकी सांस्कृतिक विरासत को समझना हो तो उन्हें चंदैनी गोंदा देख लेना चाहिए जहां विभिन्न पर्वों की बारहमासी गीत,कर्मा ,ददरिया, सुआ,बांस गीत, बिहाव गीत,फ़ाग़ी,पंथी,देवार गीत,सोहर, फाग और न जाने क्या क्या ...उनकी एक झांकी बस पर्याप्त है। खुमान साव ने संगीत के साथ लोक साहित्य की हमेशा स्थान दिए उनकी अभिरुचि साहित्य में भी गहरी तौर पर रही है। उन्होंने नवोदित साकेत साहित्य परिषद सुरगी को भी अपना स्नेहाशीष दिया । उन्हें जहां पर भी लोकगीत मिल जाता गीतों को सहेजने ,परिष्कृत करने उन गीतों को परिमार्जित करने में सदैव कर्मवीर बन कर सदैव आगे रहे। तभी तो अंचल के छोटी-छोटी नाच मंडलियों लोक कलाकार मंडलियों की प्रस्तुति को वे दर्शक दीर्घा में बैठकर पूरी तल्लीनता के साथ देखा करते थे । यहां तक गांव-गांव घूमने वाले यायक जन या भिक्ष घुमंतू प्रजाति के लोगों की प्रस्तुति को वह पूरे शिद्दत के साथ देखा करते थे। और उन्हें परिष्कृत व परिमार्जित कर अपने मंचों में सदैव स्थान दिया करते थे । साव जी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी प्रस्तुति आज भी एक पैमाना है लोग उस पैमाने पर अन्य गीतों को परखते हैं। वे सदैव लोकगीत के मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए अन्य इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का सहारा नहीं लिया यदि सहारा लिया तो उन्हें उसे उस स्तर पर ही रखा कि मौलिकता बनी रहे। लोकगीत तब मरता है जब उसका व्यवसायीकरण कर फूहड़ता परोस दी जाए। इस बात के लिए वे हमेशा फिक्रमंद रहे वे अश्लीलता के सख्त खिलाफ रहे। इस प्रकार के लोगों को वे कभी कलाकार नही माने। लोकगीत लोक स्वर लोक संगीत सदैव मूल स्वरूप में रहे इसके लिए वह अंतिम समय तक प्रयासरत रहे । मुझे याद आता है कि उनके बारे में लोक कलाकार लोग कहते थे हैं कि ऊपर से वह जितने सख्त थे अंदर से उतने ही नरम थे इस बात में तनिक भी संदेह नहीं कि उनका व्यक्तित्व रौबदार था वह कभी भी किसी भी बात से समझौता नहीं करते थे । उन्होंने राजनैतिक रैलियों या राजनेताओं के लिए भीड़ एकत्र करने के लिए कभी भी मंचन नही किया। कलाकार शारदा पुत्र हैं उनकी गरिमा सदैव बनी रहनी चाहिए। कलाकारों को शासन का मूंह ताकना पड़े इस बात की पीड़ा से आहत रहे साथ ही वे किसी अलंकरण या सम्मान के लिए खुद होकर आगे नही आए। जिस सम्मान को मांगना पड़े तो कैसा सम्मान?लोगों की तालियाँ व कार्यक्रम के दौरान शिष्ट व्यवहार उनके लिए सब कुछ था।यद्यपि उन्हें संगीत नाटक अकादमी सम्मान से अलंकृत किया गया लगता है जैसे यह अलंकरण लोग संगीत का अलंकरण है। चंदैनी गोंदा की प्रस्तुति में लोग ऐसे खो जाते मानो जीवन धन्य हुआ , रात्रि कालीन बेला कब बीत जाती और कब भोर की लालिमा लिए सुरुज नारायन स्वयं अभिनंदन करने को आतुर होते कि वे भी अपने दिन का प्रारम्भ अरे हो तोर सूंदर काया हरि बिन तरसे हो के निर्गुनी भजन सुन कर स्वयं को धन्य कर सके। ऐसा लगता मानो पांच तत्व भी खुमान संगीत का आस्वादन कर रहे हों प्रवाह मान गीत संगीत सरिता छलकती जाती । रात भर चंदैनी गोंदा के गीत संगीत और नृत्य जन समुदाय डूबते उतराते रहते।

आज छत्तीसगढ़ की लोकगीत लोक संगीत यदि पैमाना है तो खुमान साव की संगीत की तपस्या का फ्त है। तभी तो कई कई संगीतकार इस बात को कहते भी हैं कि छत्तीसगढ़ की लोकगीत लोक संगीत को खुमान संगीत क्यों ना कहा जाए क्योंकि उन्होंने लोकगीत को जन-जन के हृदय में उतारने में हमेशा आगे रहे । 9 जून 2019 को साव जी सूक्ष्म जगत वासी हुए। आज खुमान साव हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका सर्जन उनकी कृति उन्हें अमर बना दी है। तभी तो गोविंद राम निर्मलकर आडोटोरियम में साव जी के आदमकद प्रतिमा को हर आगुन्तक श्रद्धा से शीश नवाते समय उनकी सांगीतिक अमरता को आत्मा की गहराइयों से महसूस कर पाते हैं । उनकी पुण्यतिथि पर महादेव हिरवानी जो कि चंदैनी गोंदा के गायक रहे हैं उनके द्वारा भव्य प्रतिमा स्थापित कर कालजयी पुरोधा को विनम्र श्रध्दा सुमन अर्पित कर मन मे स्वयं के अस्तित्व पर गर्व कर सकने का भाव पा रहे है । वहीं साव जी के सानिध्य प्राप्त संगीतकार गोविन्द साव च्च् खुमान साव संगीत अकादमी संस्थान च्च् के माध्यम से नवोदित कलाकारों को खुमान संगीत की बारीकियां सीखा रहे हैं।नवोदित कलाकार हों या स्थापित कलाकार सभी लोग सांगतिक श्रद्धा के फूल अर्पित कर रहे हैं । छत्तीसगढ़ के संगीत जगत से जुड़े कलाकार ,गुनी जन व प्रदेश के जन जन की ओर से सादर नमन...आप पुन: जन्म लेकर फिर से इस धरा को ममहाये।

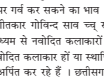

रोशन साहू
मोखला
राजनांदगाँव,
7999840942

धर्म समाचार....

गंगा दशहरा पर स्नान-दान करने से पापों का होता है नाश, जानें इसका धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर आकाश से मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। इसलिए इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धा अनुसार विशेष चीजों का दान करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार, गंगा दशहरा पर मां गंगा की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही गंगा स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। इस वर्ष गंगा दशहरा का पर्व 16 जून को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। इसलिए इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस पर्व पर गंगा स्नान कर कुछ विशेष चीजों का दान करने से जातक के पापों का नाश होता है और जीवन सुखमय होता है। ऐसे में आइए जानते हैं गंगा दशहरा पर स्नान और दान के धार्मिक महत्व के बारे में।

गंगा दशहरा पर स्नान और दान धार्मिक महत्व

शास्त्रों के अनुसार, गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धा अनुसार विशेष चीजों का दान करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा पर दान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और जीवन के ग्रह दोष खत्म होते हैं। इस दिन अपनी कमाई का कुछ हिस्सा दान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं, गंगा स्नान करने से जातक के मन में मन में सकारात्मक विचार आते हैं और बुरे पापों से छुटकारा मिलता है।

गंगा दशहरा 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 16 जून को देर रात 02 बजकर 32 मिनट पर होगी और वहीं, इसका समापन 17 जून को सुबह 04 बजकर 43 मिनट पर होगा। ऐसे में गंगा दशहरा 16 जून को मनाया जाएगा।

पूजा के दौरान करें इन मंत्रो का जप

नमंदे सिन्धु कावेरी जले अस्मिन् सन्निधिम् कुरु।।

मंगलवार के दिन क्यों नहीं कटवाने चाहिए बाल? जानिए इसके पीछे का कारण

मंगलवार का दिन बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन मंगल ग्रह की पूजा होती है। ऐसा माना जाता है जो जातक इस दिन का उपवास रखते हैं उन्हें शुभ फलों की प्राप्ति होती है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में इस दिन को लेकर कई सारे नियम बनाए गए हैं जिनमें से एक बाल न काटना भी है तो आइए जानते हैं कि आखिर इस दिन बाल क्यों नहीं काटने चाहिए?सप्ताह के हर एक दिन किसी न किसी ग्रह की पूजा होती है। मंगलवार के दिन मंगल ग्रह की पूजा का विधान है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस दिन का अपना एक खास महत्व है। वहीं, इस दिन को लेकर कई सारे ऐसे नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन बेहद जरूरी है। हालांकि कई बार हम अनजाने में ऐसा करने से चूक जाते हैं, जिसकी भरपाई लंबे समय तक करनी पड़ती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंगलवार के दिन बाल और नाखून नहीं काटने चाहिए, क्योंकि यह दिन मंगल ग्रह को समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस दिन बाल कटवाते हैं, उन्हें कर्ज की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही व्यक्ति की आयु कम होती है और कार्यों में बाधा आती है। इसके अलावा मंगल दोष का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में इन चीजों से दूर रहने की कोशिश करें।

मंगलवार के नियम- मंगलवार के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें, इस दिन प्रभु श्रीराम की पूजा करें।, हनुमान जी के मंदिर दर्शन के लिए जाएं, इस दिन तामसिक चीजों का सेवन बूलकर भी न करें, इस दिन काले व सफेद रंग के कपड़ों को न पहनें, इस दिन तुलसी जी को छूने से बचें, इस दिन बड़ों का अपमान न करें, इस दिन मीठी चीजों का दान करें, इस दिन महिलाओं के साथ गलत व्यवहार न करें।

nandgaon times june-09-02.qxd 6/8/2024 11:38 PM Page 4

सुशासन और समग्र विकास

निर्भीक, अनवरत, अनथक और उदार नेतृत्व के साथ विकसित भारत के संकल्प के पूर्णता की शपथ

samvad 40297/ 98

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, प्रबंध सम्पादक- श्रीमती कल्पना पाण्डे । मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com